गरवी गुजरात

GARVI GUJARAT

RNI No.: UPHIN/25/A1697

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 113
दि. 23.08.2025, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

'भ्रष्टाचारी जेल में, सत्ता में नहीं', कोलकाता में टीएमसी पर बरसे पीएम मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अगस्त 2025 को कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) और विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद नेताओं को पद से हटाने वाले नए विधेयक का विरोध करने के लिए TMC, कांग्रेस और राजद जैसे दलों को आड़े हाथों लिया।

पीएम ने शिक्षक भर्ती घोटाले में जेल में बंद बंगाल के सुधार सेवा मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा का जिक्र करते हुए कहा, 'अपराधी और भ्रष्ट लोग सत्ता में नहीं, जेल में होने चाहिए। लेकिन ळटउ के लोग जेल से भी सरकार चलाने की बेशर्मी दिखा रहे हैं।'

'जेल से सरकार चलाने की बेशर्मी'

कोलकाता की रैली में पीएम मोदी ने TMC पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, 'अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री जेल में है, तो उसे हटाने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। लेकिन देखिए, कितनी बेशर्मी है कि ळटउ का एक मंत्री शिक्षक भर्ती घोटाले में जेल में है, फिर भी वह कुर्सी नहीं छोड़ रहा।' उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से चंद्रनाथ सिन्हा का जिक्र किया, जिनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शिक्षक भर्ती घोटाले में चार्जशीट दाखिल की है।

मोदी ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किए हैं, जो गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिन से ज्यादा जेल में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों या मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान करते हैं। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, 'ळटउ, कांग्रेस और राजद जैसे दल इस कानून का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अपने पापों की सजा का डर है।'

'TMC ने बंगाल का भविष्य बर्बाद किया'

पीएम मोदी ने TMC सरकार पर बंगाल के युवाओं और महिलाओं की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले का जिक्र करते

योगी सरकार ने प्रदेश को 13 कैबिनेट्स और 75 मोबाइल फॉरेंसिक वैन की दी सौगात

(जीएनएस)।

योगी सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं टेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी के तहत प्रदेश में फॉरेंसिक साइंस को बढ़ावा दिया जा रहा है। यही वजह है कि सीएम योगी के निर्देश पर फोरेंसिक साइंस को कानून प्रवर्तन में अनिवार्य किया गया है। योगी सरकार पिछले आठ वर्षों में आधुनिक फोरेंसिक लैब स्थापित करने, साइबर अपराधों से निपटने के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने और पुलिस-फॉरेंसिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। इसी के तहत नोएडा में शुक्रवार को साइबर क्राइम को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आने वाले समय में डाटा चोरी पर लगेगा 250 करोड़ रुपये तक का दंड

कार्यशाला में डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों और उनसे निपटने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के संस्थापक निदेशक डॉ. जी. के. गोस्वामी, एडिशनल सीपी अजय कुमार सहित उद्यमियों, बैंकिंग सेक्टर के प्रतिनिधियों, आरडब्ल्यूए के सदस्यों, सोशल वर्कर्स और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति ने साइबर सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाया। कार्यशाला में साइबर ऑडिट, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (उ्ढउ्ढ)एक्ट और डाटा सुरक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि आने वाले समय में डाटा चोरी पर 250 करोड़ रुपये तक के दंड का प्रावधान होगा। इस दौरान यूपी में फोरेंसिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयासों की भी जानकारी दी गई, जिसमें 13 कैबिनेट्स की स्थापना और राज्य के सभी 75 जिलों में मोबाइल फोरेंसिक वैन की तैनाती शामिल है।

सोशल मीडिया पर डाटा साझा करने समय बरतें सावधानी

डॉ. जी.के. गोस्वामी ने बताया कि आज के दौर में धन से भी अधिक मूल्यवान डाटा है। साइबर क्राइम और डिजिटल डेटा चोरी में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, इसलिए सोशल मीडिया पर डाटा साझा करते समय

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में पहली बार एक साथ 2055 नई ग्राम पंचायतों को अपने पंचायत घर के निर्माण के लिए 490 करोड़ रुपए का अनुदान मंजूर किया

गांधीनगर, 22 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ग्राम पंचायत घर तथा पटवारी-सह-मंत्री आवास योजना में 100 प्रतिशत सेचुरेशन लाने के उद्देश्य से राज्य में 2055 नए ग्राम पंचायत घरों के लिए 489.95 करोड़ रुपए का अनुदान मंजूर किया है।

मुख्यमंत्री ने यह अनुदान मंजूर करने में त्रिस्तरीय पंचायती राज स्वयवस्था की महत्वपूर्ण एवं बुनियादी इकाई ग्राम पंचायतों को उनका अपना पंचायत घर उपलब्ध कराने का उद्देश्य रखा है।

राज्य के जर्जर पंचायत घर वाली तथा पंचायत घर रहित ग्राम पंचायतों को नए पंचायत घर एवं पटवारी-सह-मंत्री आवास निर्माण के लिए राज्य सरकार के पंचायत विभाग द्वारा हर वर्ष बजट से वित्तीय आवंटन किया जाता है और आवश्यकता के अनुसार पंचायत घरों का निर्माण भी होता है।

तद्अनुसार; ग्राम पंचायत घर व

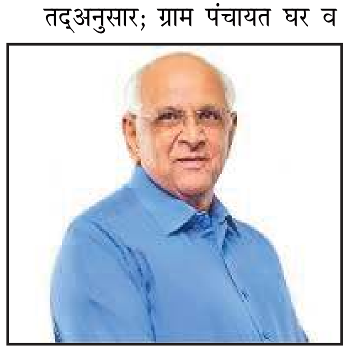

पटवारी-सह-मंत्री आवास निर्माण के लिए 10 हजार से अधिक जनसंख्या वाली ग्राम पंचायतों को 40 लाख रुपए, 5 हजार से 10 हजार तक की जनसंख्या वाली ग्राम पंचायतों को 34.83 लाख रुपए तथा 5 हजार से कम जनसंख्या वाली ग्राम पंचायतों को 25 लाख रुपए का अनुदान दिया जाता है। श्री पटेल ने इस संदर्भ में पहली बार एक साथ राज्य की 2055 ग्राम पंचायतों में नए पंचायत घर के लिए सम्बद्ध गाँव की जनसंख्या आधारित यूनिट कोस्ट के अनुसार समग्रतया 489.95 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं

जिसके फलस्वरूप अधिकांश ग्राम पंचायतें इसी वर्ष अपने भवनों का निर्माण कार्य शुरू कर सकेंगी।

इतना ही नहीं; मुख्यमंत्री ने आधुनिक सुविधाओं से युक्त ग्राम पंचायत कार्यालयों द्वारा नागरिकों को ग्रामीण स्तर पर सही आसानी से एवं तेज सेवाएँ मुहैया कराने का सकारात्मक दृष्टिकोण भी अपनाया है।

संसद में सुरक्षा चूकः युवक दीवार फांदकर घुसने की कोशिश में पकड़ा गया

(जीएनएस) ।देश की सर्वोच्च संस्था संसद भवन में शुक्रवार,22 अगस्त की सुबह सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 6 बजे एक व्यक्ति संसद की दीवार फांदकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति को पकड़ लिया और हिरासत में ले लिया है।

दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना सुबह 6 बजे की है, जब सुरक्षा गार्डों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को संसद की दीवार पर चढ़ते हुए देखा।

बताया जा रहा है कि उसने दीवार फांदकर संसद परिसर में प्रवेश करने की कोशिश की और अंदर कूदने का भी प्रयास किया। हालांकि, सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति को पकड़ लिया

राज्यसभा के एक अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा -"आज सुबह 6 बजे एक व्यक्ति ने अनुचित तरीके से संसद भवन में घुसने का प्रयास किया। उसे तुरंत पकड़ लिया गया है और आगे की पूछताछ की जा रही है।"

संसद परिसर को देश की सबसे सुरक्षित इमारतों में गिना जाता है। यहां प्रवेश के लिए कई स्तरों की सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ता है। बावजूद इसके, एक व्यक्ति का दीवार फांदकर अंदर जाने की कोशिश करना गंभीर चिंता का विषय बन गया है। घटना के बाद दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और संसद सुरक्षा बल ने इलाके की सुरक्षा समीक्षा शुरू कर दी है।

पकड़े गए युवक से लगातार पूछताछ की जा रही है। अभी तक उसकी पहचान और मकसद की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस यह जांच कर रही है कि वह युवक किस नीयत से संसद भवन के भीतर प्रवेश करना चाहता था-क्या वह सिर्फ जिज्ञासा या मानसिक असंतुलन की वजह से आया था, या फिर इसके पीछे कोई साजिश है।

बड़ा सवालः सुरक्षा पर उठे सवाल

इस घटना के बाद एक बार फिर संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में संसद परिसर में सुरक्षा बढ़ाने की कई सिफारिशें की गई थीं, लेकिन शुक्रवार सुबह हुई यह घटना बताती है कि सुरक्षा चक्र में अभी भी कुछ कमजोरियां हैं। संसद में घुसपैठ की यह कोशिश न केवल सुरक्षा एजेंसियों के लिए चेतावनी है, बल्कि देश की

जे एण्ड के भारत की तनख्वाह में लश्कर की सेवा! एलजी मनोज सिन्हा ने दो सरकारी कर्मचारियों को दिखाया बाहर का रास्ता

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज संविधान के आर्टिकल 311 (2) (C) का हवाला देते हुए दो सरकारी कर्मचारियों को आतंकी संबंधों के आरोप में बर्खास्त कर दिया।

जांच से स्पष्ट रूप से पता चला कि दोनों कर्मचारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम कर रहे थे। जांच में स्पष्ट रूप से स्थापित हुआ कि कुपवाड़ा के करनाह में एक शिक्षक और कुपवाड़ा के केरन में एक सहायक स्टॉकमैन, आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम कर रहे थे और लॉ एनफोर्समेंट और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक साक्ष्य एकत्र किए थे।

ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में सा. अफ्रीका ने किया ध्वस्त, 84 रनों से दर्ज की धमाकेदार जीत

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में खेले गए दूसरे वनडे में 84 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। यह जीत साउथ अफ्रीकी टीम के लिए खास रही क्योंकि उन्होंने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेजबानों को कोई मौका नहीं दिया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का प्रदर्शन एक बार फिर निराशाजनक रहा।

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीकी टीम ने 49.1 ओवर में 277 रन बनाए।

दिल्ली में उत्तराखंड भाजपा की विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बड़ी बैठक, संगठन, सरकार, सांसदों के बाद क्या हुई चर्चा

(जीएनएस)।

भाजपा ने उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर मंथन शुरू कर दिया है। इसी सिलसिले में दिल्ली में उत्तराखंड भाजपा की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान पंचायत चुनाव के परिणाम, सरकार व संगठन के समन्वय के साथ ही सांसदों से भी फीडबैक लिया गया।

बैठक में आगामी विधानसभा 2027 के चुनाव को लेकर मंथन हुआ है साथ ही सरकार एवं संगठन को लेकर सांसदों ने अपनी बात रखी। इस दौरान पंचायत चुनाव परिणामों और प्रदेश, जिला टीमों के गठन पर भी चर्चा हुई।संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें प्रदेश प्रभारी, सीएम, प्रदेश अध्यक्ष समेत सांसद मौजूद रहे।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा, 2027 के चुनाव की दृष्टि और सरकार एवं संगठन को लेकर सांसदों के विचार आए हैं। सरकार द्वारा भी राज्य मैं चलाए जा रहे जन कल्याणकारी कार्यों एवं मानसून सत्र की कार्यवाही की जानकारी साझा की गई। संगठन के आगामी कार्यक्रमों में किस तरह सांसदों की भूमिका और अधिक प्रभावी हो इसको लेकर उनके मंडलों में मंडलों, बूथों तक दौरों को लेकर भी चर्चा हुई। हाल में जो पंचायत चुनाव संपन्न हुए हैं उसमें अभूतपूर्व जीत पर सभी सांसदों ने सरकार और संगठन के समन्वय को सराहा है।

देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को मिलाया फोन, शिवसेना नहीं दे रही जवाब?

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए इंडिया अलायंस ने पूर्व न्यायविद बी. सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। हालांकि, इसके बावजूद बीजेपी की कोशिश है कि संवैधानिक पद पर चुनाव दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हो। इसके लिए दूसरे दलों के नेताओं से संपर्क किया जा रहा है। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना (यूबीटी) सुप्रीमो उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार को फोन कर समर्थन देने की अपील की है। फडणवीस ने दोनों दिग्गज नेताओं को बतौर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के कार्यों के आधार पर समर्थन देने का आग्रह किया है।

सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने खुद फोन कर शरद पवार और उद्धव ठाकरे से बात की है।

किसानों की समस्याओं और यूरिया की कमी को लेकर एक बड़ा आंदोलन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वाराकुत्ते को ज्ञापन सौंपने की घटना ने मचाया तूफान

(जीएनएस)।

20 अगस्त 2025 को छिंदवाड़ा में कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं और यूरिया की कमी को लेकर एक बड़ा आंदोलन किया था। इस प्रदर्शन में पूर्व सांसद नकुलनाथ, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

आंदोलन के बाद कांग्रेस नेता कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां वे कलेक्टर शीलेंद्र सिंह को किसानों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपना चाहते थे। लेकिन कलेक्टर के न आने पर नेताओं का गुस्सा भड़क गया। नाराजगी में उमंग सिंघार और जीतू पटवारी ने प्रतीकात्मक रूप से एक आवारा कुत्ते के गले में ज्ञापन की

छिंदवाड़ा में सियासी बवालः

माला बांध दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया,

जिसने मध्य प्रदेश की सियासत में भूचाल ला दिया।

गुरुवार को धार में कांग्रेस जिला अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी के पदभार ग्रहण समारोह में उमंग सिंघार ने इस घटना का जिक्र करते हुए कलेक्टर पर तंज कसा। उन्होंने कहा, "छिंदवाड़ा में मैंने कहा था कि अगर कलेक्टर नहीं आएगा, तो देख लेना। जब वह नहीं आया, तो मैंने एक कुत्ते को बुलाया और उसे छिंदवाड़ा का कलेक्टर बना दिया। फिर हमने उस कुत्ते को ज्ञापन सौंप दिया।" सिंघार ने बीजेपी सरकार पर भी निशाना साधा और कहा, "यह बीजेपी की सरकार है, और अधिकारी डर के साये में काम कर रहे हैं। लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि कांग्रेस की सरकार भी आएगी। जो कलेक्टर और आईएएस पाटीर्बाजी करेंगे, उन्हें हम राम नाम सत्य का मतलब समझाएंगे।"

कलेक्टर की चुप्पी, बीजेपी का पलटवार

छिंदवाड़ा के कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है। जब भास्कर ने उनसे इस घटना और कांग्रेस के आरोपों पर सवाल किया, तो उन्होंने कहा, "मैं राजनीतिक व्यक्ति नहीं हूं। इस मामले पर कुछ नहीं कहूंगा।"

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस और भावनगर के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और भावनगर के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09209/09210 बांद्रा टर्मिनस – भावनगर स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09209 बांद्रा टर्मिनस – भावनगर स्पेशल शनिवार, 30 अगस्त, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 13:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:30 बजे भावनगर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09210 भावनगर–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 को भावनगर से 20:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर गेट, बोटाद, धोला, सोनगढ़, सिहोर गुजरात और भावनगर परा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी–3 टियर, एसी–3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09209 एवं 09210 की बुकिंग 24 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

डबलिंग कार्य के चलते कानालुस–पोरबंदर और पोरबंदर–कानालुस लोकल ट्रेनें 15 सितम्बर तक आंशिक रद्द

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में स्थित लाखाबावल–पीपली–कानालुस सेक्शन में चल रहे डबलिंग कार्य के चलते 23 अगस्त से लेकर 15 सितम्बर, 2025 तक कानालुस–पोरबंदर और पोरबंदर–कानालुस लोकल ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:

आंशिक रूप से रद्द की गयी ट्रेनें:

- ट्रेन नं 59206 पोरबंदर–कानालुस लोकल 23.08.2025 से लेकर 15.09.2025 तक गोपजाम–कानालुस के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। अर्थात यह ट्रेन पोरबंदर से चलकर गोपजाम तक जाएगी और गोपजाम–कानालुस के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।
- ट्रेन नं 59205 कानालुस–पोरबंदर लोकल 23.08.2025 से लेकर 15.09.2025 तक कानालुस–गोपजाम के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। अर्थात यह ट्रेन कानालुस की बजाय गोपजाम स्टेशन से चलेगी और गोपजाम से चलकर पोरबंदर तक जाएगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

पश्चिम रेलवे पर रविवार, 24 अगस्त, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे का वसई रोड यार्ड में रात्रिकालीन ब्लॉक

मुंबई,

रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख–रखाव हेतु शनिवार/रविवार यानी 23/24 अगस्त, 2025 की मध्यरात्रि को वसई रोड यार्ड में गुड्स लाइनों पर 00:30 बजे से 04:30 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

अतः पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 24 अगस्त, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

मुंबई सेंट्रल – गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस का नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 20901/20902 मुंबई सेंट्रल – गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रायोगिक आधार पर नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण इस प्रकार है:–

24 अगस्त, 2025 को मुंबई सेंट्रल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल – गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस को नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन नवसारी स्टेशन पर 08:43 बजे पहुँचेगी और 08:45 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार, 23 अगस्त, 2025 को गांधीनगर केपिटल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20902 गांधीनगर केपिटल – मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस को नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 17:27 बजे नवसारी स्टेशन पहुंचेगी और 17:29 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर–ओखा एक्सप्रेस ट्रेन का स्टोपेज लाखाबावल और पीपली स्टेशनों पर 30 नवम्बर तक के लिए रद्द

राजकोट मंडल में स्थित लाखाबावल–पीपली–कानालुस सेक्शन में चल रहे दोहरीकरण कार्य के चलते भावनगर मंडल से होकर चलने वाली भावनगर–ओखा एक्सप्रेस के स्टोपेज को लाखाबावल और पीपली स्टेशनों पर 23.08.2025 से लेकर 30.11.2025 तक अस्थायी रूप से रद्द किया गया है। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार ट्रेन नंबर 19210 ओखा–भावनगर एक्सप्रेस और ट्रेन नं 19209 भावनगर–ओखा एक्सप्रेस दिनांक 23.08.2025 से लेकर 30.11.2025 तक लाखाबावल और पीपली स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

ओला, उबर, रैपिडो को लगा तगड़ा झटका! कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा – राज्य में बाइक टैक्सी एग्रीगेटर्स को परमिशन नहीं

(जीएनएस)।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार , 22 अगस्त को बाइक टैक्सी सेवाओं को लेकर बड़ा बयान दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्य में किसी भी निजी एग्रीगेटर कंपनी (जैसे Ola, Uber, Rapido आदि) को बाइक टैक्सी चलाने की अनुमति नहीं दी गई है।

कोर्ट ने कहा कि सरकार एग्रीगेटर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन इस प्रक्रिया में व्यक्तिगत बाइक टैक्सी ड्राइवरों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश वीभू बखरू और जस्टिस सीएम जोशी की पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब सरकार की ओर से बताया गया कि कुछ एग्रीगेटर ऐप्स ने बैन के बावजूद संचालन शुरू कर दिया है।

अदालत ने कहा कि उसने एग्रीगेटर्स को कोई सुरक्षा या छूट नहीं दी है और सरकार चाहे तो उनके खिलाफ कदम उठा सकती है।

बाइक टैक्सी लक्जरी नहीं, बल्कि सस्ती और जरूरी सुविधा

मुख्य न्यायाधीश विभू बखरू और न्यायमूर्ति सीएम जोशी की खंडपीठ ने कहा कि बाइक टैक्सी कोई विलासिता नहीं है, बल्कि यह आम लोगों के लिए एक सस्ती और जरूरी 'लास्ट–माइल ट्रांसपोर्टेशन' सुविधा है। अदालत का यह अवलोकन उस समय आया जब राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल शशि किरण शेट्टी ने जानकारी

दी कि हाल ही में बेंगलुरु में कुछ बाइक टैक्सी एग्रीगेटर ऐप्स ने सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं।

एडवोकेट जनरल ने कोर्ट को बताया कि पिछली सुनवाई में अदालत ने मौखिक रूप से कहा था कि सरकार को इस मामले पर गंभीर विचार करना चाहिए क्योंकि हजारों लोगों की आजीविका इस पर निर्भर है। गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने 16 जून को राज्य में ड', वुी१, फ्ंप्रड्डि जैसी बाइक टैक्सियों पर बैन लगाया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसने एग्रीगेटर्स को किसी तरह की सुरक्षा प्रदान नहीं की है और सरकार चाहे तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है।

कोर्ट ने कहा, "हमने कोई आदेश नहीं दिया है। अगर उन्होंने अपना बिजनेस शुरू किया है तो आप कार्रवाई कर सकते हैं। हमने सिर्फ इतना कहा था कि व्यक्तिगत टैक्सी मालिकों के खिलाफ जल्दबाजी में कोई कदम न उठाया जाए। एग्रीगेटर्स को लेकर हमने कोई टिप्पणी नहीं की है।"

नीति की कमी और पूरी तरह बैन पर सवाल

20 जुलाई को कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट को बताया था कि राज्य के पास बाइक टैक्सी के लिए कोई ठोस नीति नहीं है, लेकिन जल्द ही इस पर एक समग्र और ठोस निर्णय लिया जाएगा। इस पर अदालत ने सवाल उठाया था कि सरकार ने बाइक टैक्सी को पूरी तरह बैन क्यों किया, जबकि इसे नियंत्रित भी किया जा सकता था।

कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार ने यहां तक कि बैटरी से चलने वाली बाइक टैक्सियों पर भी रोक लगा दी, जबकि 2014 तक इसके लिए राज्य में नीति मौजूद थी। इस तरह सरकार ने एक "वैध व्यापार" पर पाबंदी लगा दी है।

एग्रीगेटर्स और यूनियनों की अपील

हाईकोर्ट की यह सुनवाई ओला, उबर और रैपिडो जैसे निजी बाइक टैक्सी एग्रीगेटर्स और स्थानीय यूनियनों की अपील पर हो रही थी। इससे पहले अप्रैल 2025 में एकल न्यायाधीश ने इनके संचालन पर रोक लगा दी थी।

सरकार ने अदालत में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि बाइक टैक्सियां यात्रियों के लिए असुरक्षित हैं और ये शहर के ट्रैफिक जाम को भी बढ़ाती हैं। वहीं, एग्रीगेटर्स और यूनियन का तर्क है कि यह सेवा लाखों लोगों के लिए सस्ता विकल्प है और हजारों युवाओं के लिए रोजगार का साधन भी।

आप क्या कर रहे हैं?–बिहार चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को लेकर पार्टियों को लगाई फटकार, पढ़ें क्यों?

(जीएनएस)।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (22 अगस्त) को बिहार की राजनीतिक पार्टियों को कड़ी फटकार लगाई, क्योंकि उन्होंने ड्राफ्ट चुनावी सूची में शामिल नहीं किए गए लोगों को दावा और आपत्ति दाखिल करने में मदद नहीं की। जस्टिस सूर्यकांत ने राजनीतिक पार्टियों को फटकारते हुए कहा कि आखिर आप लोग कर क्या रहे हैं, बिहार की 12 राजनीतिक पार्टियों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी उस समय आई जब चुनाव आयोग ने बताया कि वह चुनावों के लिए तैयार बिहार में विशेष गहन चुनावी सूची (वोटर लिस्ट) संशोधन कर रहा है। आयोग ने कहा कि मुख्य राजनीतिक पार्टियों में से किसी ने भी कोई आपत्ति या शिकायत दर्ज नहीं कराई, जबकि जनता ने इस मामले पर आलोचना की थी।

हमें सिर्फ राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी है: एससी

सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा–"हमें सिर्फ राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी है। बीएलए (बूथ स्तर एजेंट) नियुक्त करने के बाद वे आखिर कर क्या रहे हैं? जनता और स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधियों के बीच इतनी दूरी क्यों है? राजनीतिक दलों को मतदाताओं की मदद करनी ही होगी।"

'राजनीतिक दलों को मतदाताओं की मदद करनी ही होगी'

सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई जब चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार में राजनीतिक दलों के 1.68 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट (इछअ) मौजूद हैं, लेकिन अब तक केवल दो आपत्तियाँ ही दर्ज कराई गई हैं।

यह स्थिति तब है जबकि विपक्ष लगातार यह आरोप लगा रहा है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्र) की इस प्रक्रिया से लाखों मतदाता सूची से बाहर हो जाएंगे। 1 अगस्त को निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

कई विपक्षी दलों ने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जिन लोगों का नाम ड्राफ्ट लिस्ट से हटाया गया है, उनमें कई जीवित लोग भी शामिल हैं जिन्हें "मृतक" घोषित कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का गुजरात दौरा; ₹1,400 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं की देंगे सौगात

- 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणाझ्पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण,
- 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोलझ्कड़ीझ्कटोसन रोड रेल लाइन का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजीझ्रणुंज रेल लाइन का गेज कन्वर्जन राष्ट्र को करेंगे समर्पित
- प्रधानमंत्री जी कटोसन रोड और साबरमती यात्री ट्रेन का कड़ी से करेंगे शुभारंभ तथा बेचराजी से कार–लोडेड मालगाड़ी सेवा का भी शुभारंभ

नई दिल्ली/ गांधीनगर, 22 अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 अगस्त, 2025 को गुजरात के दौरे पर रहेंगे, जहां वे 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, पाटण, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों को लाभान्वित करेंगी। यह रेलवे परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता और रोजगार सृजन में उल्लेखनीय योगदान देंगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे की जो परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की जाएंगी उनमें 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणाझ्पालनपुर रेल लाइन (65 किमी) का दोहरीकरण, 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोलझ्कड़ीझ्कटोसन रोड रेल लाइन (37 किमी) का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजीझ्रणुंज रेल लाइन (40 किमी) का गेज कन्वर्जन शामिल है। ये रेलवे परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, बनासकांठा और पाटण जिले को ब्रॉडगेज लाइन के माध्यम से सहज, सुरक्षित और निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी।

इससे दैनिक यात्रियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए आवागमन अधिक सरल और तेज होगा। साथ ही, क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। अतिरिक्त लाइन क्षमता के कारण अहमदाबादझ्दिल्ली मार्ग पर तेज गति से ट्रेनों का संचालन संभव होगा। इससे अधिक यात्री ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा और मालगाड़ियों की गति एवं दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इस प्रकार यह परियोजनाएं गुजरात की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेंगी।

बेचराजीझ्रणुंज रेल लाइन का गेज कन्वर्जन नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान फॉर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के अनुरूप किया गया है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और गुजरात राज्य की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रैंकिंग में और बेहतर सुधार लाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यह पहल उत्तर गुजरात की सामाजिक–आर्थिक प्रगति को और गति प्रदान करेगी। साथ ही, भारत के लॉजिस्टिक्स और रेलवे क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करेगी।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कटोसन रोड और साबरमती के बीच यात्री ट्रेन सेवा कड़ी से एवं बेचराजी से कार–लोडेड मालगाड़ी सेवा का भी शुभारंभ करेंगे। कटोसन–साबरमती रोड नई ट्रेन सेवा न केवल पर्यटन और धार्मिक स्थलों तक पहुंच को आसान बनाएगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी। इसी तरह, बेचराजी से शुरू होने वाली कार–लोडेड मालगाड़ी राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों को मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इन दोनों रेल सेवाओं से क्षेत्र को पर्यावरण अनुकूल, टिकाऊ और उच्चगति वाला परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा। इससे न केवल यात्रा समय में कमी आएगी बल्कि क्षेत्रीय औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षण और रोजगार सृजन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ये सभी रेलवे परियोजनाएं विकसित गुजरात से विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में बवाल! क्या फिर थी हमले की योजना? दो हिरासत में!

(जीएनएस)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के गांधी नगर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हंगामा मच गया। इस दौरान भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली के खिलाफ नारेबाजी करने के आरोप में पुलिस ने 60 वर्षीय प्रवीण शर्मा को हिरासत में लिया।

बताया जा रहा है कि एक अन्य व्यक्ति को भी पुलिस ने पकड़ा है, जिस पर रेखा गुप्ता के एक कार्यक्रम स्थल के पास हंगामा करने का संदेह था। यह घटना तब हुई जब सीएम गुप्ता, दो दिन पहले उन पर हुए हमले के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुई थीं।

पुलिस के मुताबिक, प्रवीण शर्मा अजीत नगर में केबल टीवी का व्यवसाय करता है और खुद को पिछले 40 साल से भाजपा कार्यकर्ता बताता हैं। शाहदरा डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया, 'प्रवीण शर्मा ने गांधी नगर के विधायक अरविंदर सिंह लवली के खिलाफ उस समय नारे लगाए, जब वह कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे।' शर्मा को बैरिकेड्स के पीछे एक गली से हिरासत में लिया गया और कार्यक्रम स्थल से हटा दिया गया। डीसीपी ने

स्पष्ट किया कि किसी भी समय वीआईपी की सुरक्षा को खतरा नहीं हुआ।

सीएम गुप्ता का बयानः 'न डरेंगी, न थकेंगी, न हारेंगी'

गांधी नगर मार्केट में थोक रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'आपकी सीएम दीदी न डरेगी, न थकेगी, न हारेगी। जब तक दिल्ली को उसका हक नहीं मिलता, मैं आपके लिए लड़ती रहूंगी।' उन्होंने इस मौके पर स्थानीय विधायक अरविंदर सिंह लवली को यमुना पार विकास बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। गुप्ता ने कहा, 'लवली बिना किसी स्वार्थ के भाजपा में शामिल हुए हैं और दिल्ली के विकास के लिए काम करेंगे।'

विकास कार्यों की घोषणा

सीएम ने लवली और केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को यमुना पार क्षेत्र के विकास के लिए बजट प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'मैं आज ही बजट स्वीकृत कर रही हूं, बस आप अनुमान तैयार करें।' इसके अलावा, दिल्ली सरकार यमुना पार से डीटीसी बसों के लिए रूट मैपिंग शुरू करेगी ताकि हर क्षेत्र में पर्याप्त बसें उपलब्ध हों।

पिछले हमले का जिक्र

20 अगस्त को सीएम गुप्ता पर उनके कैंप कार्यालय में 'जन सुनवाई' के दौरान राजकोट के 41 वर्षीय राजेशभाई खिमजी ने हमला किया था। आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद गुप्ता सिविल लाइंस स्थित अपने सरकारी आवास पर ही थीं।

आज का कार्यक्रम

सीएम गुप्ता आज शाम 4 बजे चाणक्यपुरी के अशोक होटल में राज्य उद्योग विभाग के 'आइडियाथॉन' कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल होंगी। पीटीआई के अनुसार, वह आज दिल्ली सचिवालय में अपने कार्यालय भी लौट सकती हैं।

नए कमिश्नर की नियुक्ति के बाद कार्रवाई

21 अगस्त को दिल्ली को नए पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा मिले हैं। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांधी नगर की घटना में शामिल व्यक्ति को हिरासत में लिया।

उच्चतम न्यायालय ने सिंगल मदर की याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट को दी सीख, 'माता–पिता की तरह बर्ताव करिए!'

सुप्रीम कोर्ट ने एक सिंगल मदर से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के कामकाज के तरीके पर अहम टिप्पणी की है। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने एक महिला जज की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि झारखंड हाई कोर्ट को महिला याचिकाकर्ता की याचिका पर शालीनता से सुनवाई करना चाहिए। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में यह भी कहा

कि हाई कोर्ट के फैसलों में अहंकार नहीं दिखना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी एक महिला जज की याचिका पर सुनवाई के दौरान की है, जिसमें उन्होंने ट्रांसफर के लिए गुहार लगाई थी। महिला जज का ट्रांसफर दुमका कर दिया गया है। पहले वह हजारीबाग में पोस्टेड थीं। महिला ने सिंगल मदर होने और बेटे की शिक्षा का हवाला देते हुए किसी ऐसे शहर में ट्रांसफर की मांग की थी, जहां बेहतर स्कूल हों।

महिला जज की याचिका पर की अहम टिप्पणी

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार सीजेआई समेत दो जजों की बेंच ने कहा कि यह जज की तरफ से सुविधा के लिए दी गई ट्रांसफर की याचिका नहीं है। यह एक बच्चे की शिक्षा से भी जुड़ा मामला है। कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट से यह भी कहा कि अहंकारी रवैया अपनाने के बजाए महिला जज की तबादले की याचिका को संवेदना की नजरों से देखा जाना चाहिए। अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (ADJ) की याचिका पर बेंच ने यह टिप्पणी की है। कोर्ट कहा, 'हाई कोर्ट को अपने न्यायिक अधिकारियों की समस्याओं के प्रति सजग रहना होगा।'

सिंगल मदर की याचिका पर उखकने की अहम टिप्पणी

इस मामले में याचिकाकर्ता एक सिंगल मदर हैं और उन्होंने हाई कोर्ट में गुहार लगाई थी कि उन्हें बोकारो, रांची या हजारीबाग जैसे किसी शहर में ट्रांसफर किया जाए, क्योंकि वहां बेहतर स्कूल हैं। अगले साल उनके बेटे की 12वीं बोर्ड परीक्षा है। ऐसे में याचिकाकर्ता की कोशिश है कि न्यायिक सेवाओं के साथ ही वह बेटे की पढ़ाई पर ध्यान दे सकें। महिला जज ने 6 महीने के लिए चाइल्ड केयर लीव की याचिका लगाई थी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा, 'हाई कोर्ट को अपने न्यायिक अधिकारियों की याचिका पर विचार करते हुए किसी माता–पिता की तरह सोचना चाहिए। अहंकार का मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। सीजेआई ने कहा,'अब आप या तो उन्हें (महिला जज) बोकारो स्थानांतरित करें या मार्च/अप्रैल, 2026 तक परीक्षा खत्म होने तक हजारीबाग में ही रहने दें।'

आम लोगों को शॉक्ड कर सकती हैं फैशन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में हो रहे बदलाव

पार्टनर के फिंगरप्रिंट से खुलेगा ये 'स्मार्ट ब्रा', फैशन और टेक्नोलॉजी का ऐसा अनोखा बंधन

फैशन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में इन दिनों कई ऐसी चीजें सामेन आ रही हैं जो आम लोगों को शॉक्ड कर सकती हैं। इस डिजिटल युग में कई बड़े बदलाव हो रहे हैं जो कि देखने लायक है और जिनकी तारीफ किए बिना आप नहीं रह सकते।

जापान में बनाया गया स्मार्ट ब्रा

इसी कड़ी में जापान के एक छात्र ने ऐसा इनोवेशन किया है, जिसने फैशन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में हलचल मचा दी है। उन्होंने एक स्मार्ट ब्रा तैयार किया है, जो केवल महिला और उनके पार्टनर के फिंगरप्रिंट से ही अनलॉक होगी। फिंगरप्रिंट से अनलॉक होने वाली स्मार्ट ब्रा, –ये स्मार्ट ब्रा न सिर्फ महिलाओं की प्राइवेसी और सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि रिश्तों में भरोसे का प्रतीक भी मानी जा रही है।

इस खास ब्रा में फिंगरप्रिंट सेंसर लगाया गया है।

इसकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये केवल महिला और उनके पार्टनर की पहचान स्वीकार करता है, यानी कोई दूसरा व्यक्ति इसे नहीं खोल सकता। –फैशन और टेक्नोलॉजी का ये कॉम्बिनेशन महिलाओं के लिए कम्फर्ट, सेफ्टी और ट्रस्ट का बेहतरीन उदाहरण बन गया है। फैशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये आइडिया भविष्य में पर्सनलाइज्ड फैशन की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।

सोशल मीडिया पर ब्रा को लेकर मचा हंगामा, जैसे ही इस इनोवेशन की जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल हुई, लोगों का उत्साह भी उतनी तेजी से बढ़ गया है। कई यूजर्स जहां इसे देखकर शॉक्ड हो रहे हैं, वहीं कई लोगों ने इसे रिलेशनशिप ट्रस्ट और प्राइवेसी का नया प्रतीक बताया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

सम्पादकीय

मानसून सत्र में सांसदों ने गंभीरता से विचार और बहस की या नहीं, उठ रहे सवाल

संसद का मानसून सत्र निर्धारित 21 अगस्त यानि बृहस्पतिवार को अनिाित काल के लिए समाप्त हो गया किन्तु कई सवाल ऐसे खड़े हो गए हैं जिनका सीधा संबंध संवैधानिक संस्थानों के मान मर्यादा एवं प्रातिष्ठा से है। दरअसल मानसून सत्र के दौरान काम काज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे किन्तु इस दौरान लोकसभा में 37 घंटे और राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। सत्र के दौरान 15 विधेयक पारित किए गए। वुल मिलाकर लोकसभा में कार्य उत्पादकता 31 प्रातिशत रही जबकि राज्यसभा में यह 39 प्रातिशत रही। संसद के दोनों सदनों में सरकार ने जो आवश्यक विधेयक समझा उसे पारित भी करवाया और अपने सारे जरूरी कामकाज पूरे करके 21 अगस्त को निर्धारित कालावधि के अनुसार सत्रावसान की घोषणा कर दी। किन्तु सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो 15 विधेयक पारित हुए हैं उनमें से कितने ऐसे हैं जिन पर सभी पार्टियों के सांसदों ने गंभीरता से विचार और बहस की? इस सवाल का सीधा जवाब यह है कि विपक्ष को तो छोड़िए बहस तो सत्तापक्ष के सदस्यों ने भी नहीं की। इसका मतलब तो यह हुआ कि जो मौलिक स्वरूप संसदीय प्राव्रिया का संविधान निर्मात्रीसभा ने सुनिाित किया था, वह धीरे-धीरे बदल चुका है। यही नहीं संसद के सन्नियमों का जो प्रारूप संसदीय कार्यवाही के संचालन लिए बनाया गया है, उसे सत्तापक्ष अपनी सुविधा की दृष्टि से देखता है जबकि विपक्ष अपनी सुविधा के अनुसार आचरण करता है। विपक्ष सरकार पर आरोप लगाता है कि संसद सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी उसकी है जबकि सरकार को विपक्ष पर सीधा आरोप है कि वह संसद की कार्यवाही को बाधित करने के लिए बहाने खोजता है। सच तो यह है कि विपक्ष के लिए संसद का सुचारू रूप से चलना उसी के लिए फायदेमंद है क्योंकि वह अपनी सारी बातें सदन में बोल सकता है। वह मंत्रियों को उनका कर्तव्यबोध तो करा ही सकता है बल्कि पूरी सरकार को घुटनों पर ला सकता है। जब विपक्षी सदस्य हंगामा करके संसद को बाधित करते हैं तो कदाचित पार्टियों के संसदीय नेताओं को इस बात का एहसास होता होगा कि वह सरकार को विवश करने में सक्षम हैं। किन्तु वास्तविकता तो यह है कि जब संसद में हंगामे के कारण कामकाज बाधित होता है तो इसका सबसे ज्यादा लाभ मंत्रालयों के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को होता है। वे इस बात के लिए राहत की सांस लेते हैं कि सांसदों के अटपटे सवालों का जवाब देने से उनकी जान बची। कभी-कभी सत्तापक्ष के सांसद भले ही वुछ सवाल असुविधाजनक पूछते हैं, किन्तु ज्यादातर सवाल विपक्षी सांसद ही पूछते हैं। आज स्थिति इतनी दुःखद इसलिए भी हो गई है क्योंकि सदन के नेता और सदन में नेता विपक्ष दोनों ने अपने विचार, व्यवहार और मूल्यों की जो धारणा बना ली है, वह उनकी पाटा के लिए भले ही लाभकारी हो किन्तु देश के हितों के प्राति तो बिल्वुल ही अनुवूल नहीं है। पहले दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारी अपने-अपने सदन के नेता विपक्ष से सरकार के समन्वय स्थापित करने के प्रामुख कारक होते थे। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति सदन चलाने के लिए संसदीय कार्यमंत्री और दोनों सदनों के नेता विपक्ष से सलाह करके पैसले कर लिया करते थे। ऐसा इसलिए संभव था क्योंकि विपक्ष के नेताओं पर संसदीय कार्यमंत्री का अत्याधिक भरोसा हुआ करता था। न तो विपक्ष के नेता संसदीय कार्य को अपनी पाटा के हितों से ज्यादा महत्वपूर्ण मानते थे और न ही संसदीय कार्यमंत्री के लिए सरकार के हितों की चिन्ता संसदीय मर्यादाओं एवं प्राथाओं से ज्यादा महत्वपूर्ण थी। पहले प्राधानमंत्री और सरकार के मंत्री संसदीय कार्यमंत्री की अहमियत को महसूस करते थे और उनके कार्य में किसी भी तरह की टांग नहीं अड़ाते थे। किन्तु आज स्थिति ऐसी नहीं है। अब तो संसदीय कार्यमंत्री प्राधानमंत्री, मंत्रियों और सरकार के प्राभाव से खुद को मुक्त कर ही नहीं सकते। बहरहाल आज जो स्थिति दिख रही है इसका निर्माण एक दिन में नहीं हुआ है। पहले पक्ष और विपक्ष के नेता व सांसद खुले दिल से बहस करते थे और सरकार की जवाबदेही का उसे एहसास कराते थे किन्तु सरकार को लंगड़ा करने का प्रायास नहीं करते थे।

अभूतपूर्व अशोभनीय स्थिति का अंत करने की मजबूरी में प्रेस वार्ता को मजबूर हुआ ईसी

इस अशोभनीय स्थिति का अंत हो तो वैसे

चुनाव आयोग के पास कोई विकल्प बचा नहीं था तभी उसे पत्रकार वार्ता आयोजित कर उत्तर देना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुत्त ज्ञानेश वुमार ने एक-एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मतदाता का नाम दो जगह होने का अर्थ नहीं है कि उसने दोनों जगह मतदान किया हो।

यह अभूतपूर्व अशोभनीय और अनेक अर्थो में अस्वीकार्य व आपत्तिजनक स्थिति है। देश के वुछ नेता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग (ईसी) के विरुद्ध संसद से सड़क तक अभियान चलाएं इसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी।

अगर आईएनडीआईए सांसदों की बैठक में चुनाव आयोग के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव जैसा प्रस्ताव लाने की बात उठी तो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में इससे डरावनी स्थिति वुछ हो ही नहीं सकती। हालांकि इस सत्र का अवसान हो रहा है और इसमें प्रस्ताव आ नहीं सकता। दूसरे, प्रस्ताव आया भी तो सदस्य संख्या के हिसाब से यह गिर जाएगा। कितु इस पर विचार होना ही अंदर से हिला देने वाला है। चुनाव आयोग ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट बोला है कि या तो जो आरोप लगा रहे हैं उसका प्रमाण दें नहीं तो क्षमा मांगे। दूसरी ओर बिहार में वोट अधिकार यात्रा के नाम से यात्रा कर रहे राहुल गांधी ने सासाराम में यात्रा आरंभ करते हुए कहा कि न हम चुनाव आयोग से डरने वाले हैं और न तेजस्वी यादव।

राहुल गांधी और उनके रणनीतिकारों - सलाहकारों तथा इनके पिछले लंबे समय से चुनाव आयोग और संपूर्ण चुनाव प्रणाली की साख पर चोट करने के लगातार अभियानों पर दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि उनकी ऐसी ही प्रतिव्रिया आती रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा पहले अपने आरोपों पर शपथ पत्र मांगने के विरुद्ध उनकी प्रतिाियां थी कि मुझे शपथ पत्र देने की आवश्यकता नहीं। उन्होंने यह तर्व दे दिया कि मैंने संविधान की शपथ लिया है तो उससे बड़ा शपथ क्या हो सकता है। साफ है कि जब वह बारबार चुनाव आयोग को भाजपा का एजेंट बता रहे हो और आईएनडीआईए के घटकों से उन्हें समर्थन भी मिल रहा हो तो वे क्यों पीछे हटेंगे? भारतीय राजनीति में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गरिमा और मर्यादा का भाव होता तो चुनाव आयोग के विरुद्ध इस तरह की भाषा प्रयोग नहीं की जाती।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सबसे बडा हमला करते हुए अपने 1 घंटे 11 मिनट के वक्तव्य में 21 पृष्ठों के पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से साबित करने की कोशिश की कि चुनाव आयोग भाजपा की मदद करने के लिए मतदाता सूची में जबरदस्त गड़बड़ी करता है और जहां भाजपा को चुनाव में पराजित होना चाहिए वहां मतदाताओं की फजा संख्या के आधार पर जीत दिला देता है। चुनाव आयोग के विरुद्ध नई लड़ाई का आरंभ उन्होंने बिहार में 17 अगस्त से 2 सितंबर तक की वोट अधिकार यात्रा से कर दिया। इसका फोकस ही चुनाव आयोग और उसके द्वारा आरंभ एसाईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान है। राहुल गांधी का पूरा अभियान सुनियोजित है।

कांग्रेस पाटा द्वारा एक वेब पोर्टल बनाकर लोगों से कहा गया है कि कि चोरी के वीरुद्ध जवाब दें तथा डिजिटल मतदाता सूची के मांग का समर्थन करें। कहने का तात्पर्य कि लंबी तैयारी से कांग्रेस पाटा ने इसे आरंभ किया है। चूंकि इस तरह कभी राजनीतिक परटियों के नेताओं को चुनाव आयोग के विरुद्ध आरोप लगाते और अभियान छेड़ते नहीं देखा गया इसलिए यह निष्कर्ष निकालना कठिन है कि आखिर इसका परिणाम क्या आएगा? इसका अंत वैसे होगा? इसका अंत होगा या नहीं? आखिर चुनाव आयोग क्या करे? राहुल गांधी ने कर्नाटक के मध्य बेंगलुरु संसदीय क्षेत्र के महादेवपूरा विधानसभा का अपने दृष्टि से आंकड़ा दिया उस पर पहले ही कर्नाटक चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण आ चुका है।

उन्होंने पांच विधानसभा में जीतने और एक में भाजपा के वोट बढ़ जाने से पराजय को चुनाव आयोग की चोरी बता दिया। उनके अनुसार दोनों परटियों को मिले वोटों का अंतर 32,707 था लेकिन महादेवपुरा की गणना में अंतर 1,14,046 का रहा। तो 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी हुई। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों जगह भाजपा की बढ़त के लिए चुनाव आयोग को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। पहले कर्नाटक चुनाव आयोग ने एक महिला मतदाता शवुन रानी द्वारा दो बार वोट डालने के आरोपों का खंडन करते हुए बताया कि आपने जो दस्तावेज दिए उसको मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर वाले नहीं थे, आपको कहां से यह जानकारी मिली बताएं? अन्य मतदाता भी सामने आए तथा बताया कि वह उन्होंने एक ही जगह वोट डाला है। राहुल गांधी ने इसका कोई उत्तर नहीं दिया। उनको उत्तर देना भी नहीं है। उनको पता है कि महाराष्ट्र के धुले लोकसभा सीट पर।

भाजपा भी पांच विधानसभा में आगे थी लेकिन मालेगांव सेंट्रल में कांग्रेस को 1 लाख 94000 वोट आ गए और वह जीत गई। राहुल गांधी इन तथ्यों से अप्रभावित होकर चुनाव आयोग के विरुद्ध अपने अभियान पर कायम हैं। उनके पहले के आरोपों पर भी चुनाव आयोग ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उत्तर दिया। एक संवैधानिक संस्था की सीमाएं होती है और वह यही कर सकता था। चुनाव आयोग ने वत्तव्य जारी किया कि आप फजा मतदाताओं का आरोप लग रहे हैं तो नियम के अनुसार शपथ पत्र दीजिए ताकि निर्धारित प्रव्रिया से जांच की जाए। आयोग ने नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया तो राहुल गांधी सारे विपक्षी सांसदों को लेकर जाने लगे। यह क्या है? चुनाव आयोग के पास कोई विकल्प बचा नहीं था तभी उसे पत्रकार वार्ता आयोजित कर उत्तर देना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुत्त ज्ञानेश वुमार ने एक-एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मतदाता का नाम दो जगह होने का अर्थ नहीं है कि उसने दोनों जगह मतदान किया ही।

कृति सेनन ने की संजय लीला भंसाली को बताया 'हिम्मती फिल्ममेकर', जाने क्यों?

(जीएनएस)।

संजय लीला भंसाली अपनी फिल्मों और म्यूजिक की वजह से इंडस्ट्री में जाने जाते हैं। उनकी फिल्में एक से बढ़कर एक रहती हैं। उन्होंने 'गंगूबाई काठियावाड़ी' फिल्म बनाई थी, जिसने 5 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते थे। इस फिल्म को हर तरफ से खूब प्यार मिला। संजय की ये फिल्म एक महिला प्रधान कहानी को दिखाती है। जिसमें अलिया भट्ट लीड रोल में थीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में भी अच्छा कलेक्शन किया। अब इस फिल्म को लेकर कृति सेनन ने संजय की तारीफ की है।

कृति सेनन ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की तारीफ करते हुए कहा, "हमें विषय पर जोखिम लेना चाहिए, न कि इस पर कि फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभा रहा है। अगर महिला प्रधान फिल्म की बात करें, तो मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही फिल्म आती है जो बड़े बजट और बड़े पैमाने पर बनी है, और वह है 'गंगूबाई काठियावाड़ी'। आपको यह फिल्म बहुत शानदार लगती है। यह फिल्म तब भी वैसी ही दिखती अगर इसमें कोई पुरुष मुख्य भूमिका में होता।"

कृति सेनन ने कहा, "मुझे लगा कि इस फिल्म का बजट, इसके शॉट्स, सब कुछ बहुत बड़े स्तर पर लिया गया था। जब कोई हीरो फिल्म में एंट्री लेता है, तो उसे 'हीरो शॉट' कहते हैं, जिसमें उसे बहुत बड़ा और शानदार दिखाया जाता है। ऐसा आमतौर पर तब नहीं होता जब कोई महिला फिल्म में लीड रोल में हो। इसलिए, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। कम से कम किसी में इतनी हिम्मत तो थी कि उसने एक महिला प्रधान फिल्म पर इतना पैसा लगाया।"

अब संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म लव एंड वॉर को लेकर इंतजार और भी बढ़ गया है। सोचिए, संजय लीला भंसाली और टैलेंटेड तिकड़ी रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल की ये जबरदस्त कोलैबोरेशन बड़े पर्दे पर कितनी शानदार होगी। फिल्म 20 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

'डिजिटल अरेस्ट' का खौफनाक खेल खत्म! गृह मंत्रालय का तगड़ा प्लान तैयार, अब टूटेगी ठगों की कमर

(जीएनएस)।

भारत में साइबर ठगों ने एक नया हथकंडा अपनाया है-'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर लोगों से लाखों-करोड़ों की ठगी! लेकिन अब गृह मंत्रालय ने इन ठगों की कमर तोड़ने के लिए कमर कस ली है।

फर्जी पुलिस बनकर लोगों को डराने और उनकी मेहनत की कमाई लूटने वाले इन साइबर अपराधियों के खिलाफ मंत्रालय की सख्त कार्रवाई शुरू हो चुकी है।

मुंबई में ठग गिरफ्तार, बुजुर्ग महिला से ठगे ₹7.8 करोड़

हाल ही में मुंबई साइबर पुलिस ने 20 साल के कार्तिक चौधरी को धर दबोचा, जो एक ऐसे गिरोह का हिस्सा था, जिसने 81 साल की एक बुजुर्ग महिला से ₹7.8 करोड़ ठग लिए। इस गिरोह ने फर्जी कॉल और मैसेज के जरिए महिला को गिरफ्तारी का डर दिखाया और उनकी जमा-पूंजी हड़प ली। कार्तिक ने 'मनी म्यूल' की तरह काम किया, यानी ठगी के पैसे को इधर-उधर ट्रांसफर करने में मदद की और बदले में ₹1.98 लाख का कमीशन लिया।

क्या है 'डिजिटल अरेस्ट' का जाल?

ये साइबर ठग फोन कॉल या मैसेज के जरिए लोगों को डराते हैं कि उनके बैंक खाते, आधार नंबर या कोई कूरियर पैकेज किसी बड़े अपराध से जुड़ा है। फिर धमकी देते हैं कि अगर तुरंत 'जुमार्ना' नहीं भरा, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कुछ मामलों में तो ये लोग जाली 'डिजिटल अरेस्ट नोटिस' भी भेजते हैं, जो बिल्कुल असली लगते हैं। लेकिन गृह मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि कोई भी सरकारी एजेंसी इस तरह के नोटिस जारी नहीं करती।

2024 में ₹120 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

जनवरी से अप्रैल 2024 के बीच डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों ने देशभर में ₹120.3 करोड़ से ज्यादा का नुकसान पहुंचाया। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों में ये मामले तेजी से बढ़े हैं। लेकिन अब गृह मंत्रालय की सख्ती से इन ठगों की शामत आने वाली है।

'द बंगाल फाइल्स' में विवेक अग्निहोत्री ने 'तैमूर' नाम लेकर सैफ और करीना पर कसा तंज, बोले- 'किसी को भी ये नाम'

(जीएनएस)।

विवेक रंजन अग्निहोत्री इन दिनों फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर चर्चा में हैं। वो इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसे दर्शकों से मिला जुला रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भी हंगामा हुआ। विवेक पर ळटउ के लोगों ने ऋक्षफ दर्ज करवाई।

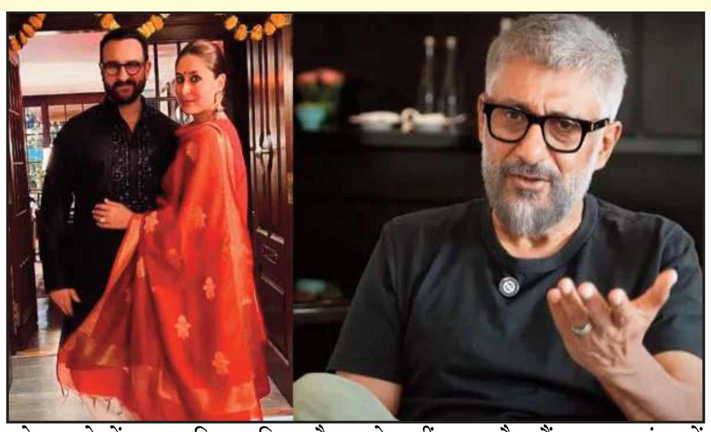

इसके अलावा ट्रेलर के कुछ सीन को लेकर बवाल हो रहा है। इसमें तैमूर नाम का जिक्र हुआ है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि इससे विवेक ने सैफ अली खान और करीना कपूर पर तंज कसा है। अब विवेक ने इस पूरे मामले में अपना रिएक्ट किया है।

'द रौनक शो' शो में होस्ट ने विवेक अग्निहोत्री से इस विवाद को लेकर सवाल पूछा गया। जिसके जवाब में विवेक ने कहा, तैमूर बहुत सारे लोगों का नाम रखा जाता रहा है। अपने बच्चे का तैमूर नाम अकेले सैफ ने नहीं रखा है। मैं ज समरकंद में अपनी फिल्म 'द ताशकंद फाइल्स' की शूटिंग कर रहा था। तब मैं वहां पर तैमूर के मकबरे में भी गया था। इसके बाहर लिखा था कि उसने पूरी दुनिया की सबसे अमीर सल्तनत को जीता था। ये सल्तनत दिल्ली की थी। एक रात में तैमूर ने लाखों लोगों की हत्या की थी। रेप और लूटपाट किया था। लेकिन वो अपने देश में हीरो है। हमारे लिए नहीं होगा। अपने बच्चे का नाम तैमूर तो किसी को नहीं रखना चाहिए था। इस पर कोई सवाल ही नहीं उठना चाहिए।

'द बंगाल फाइल्स' 5 सितंबर को रिलीज होगी। फिल्म में पल्लवी जोशी, मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, शाश्वत चटर्जी और दर्शन कुमार हैं। फिल्म में खुद विवेक अग्निहोत्री भी नजर आएंगे। वहीं इसमें भी उन्होंने अनुपम खेर को भी लिया है। जो गांधी के किरदार में नजर आएंगे। विवेक ने अपनी पत्नी और अभिषेक अग्रवाल के साथ इसे प्रोड्यूस भी किया है।

जसविंदर भल्ला के परिवार में कौन-कौन, अपने पीछे छोड़ गए कितनी संपत्ति?

(जीएनएस)।

पंजाबी सिनेमा के मशहूर एक्टर और कॉमेडियन जसविंदर भल्ला का निधन हो गया है। लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे 65 वर्षीय भल्ला ने आखिरकार इस दुनिया को अलविदा कह दिया है।

पंजाबी एक्टर और कॉमेडियन जसविंदर भल्ला की मौत

अपने करियर में लाखों चेहरों पर मुस्कान लाने वाले महान कलाकार जसविंदर भल्ला ने न केवल पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री, बल्कि पूरे देशभर के दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। जानकारी के अनुसार जसविंदर भल्ला लंबे समय से वह बीमार चल रहे थे और उनका लगातार इलाज हो रहा था।

ब्रेन स्ट्रोक के चलते हुई जसविंदर भल्ला की मौत

-जसविंदर भल्ला के यूं चले जाने से पूरी पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री शोक में डूब गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जसविंदर भल्ला को अचानक ब्रेन स्ट्रोक आया था। हालत गंभीर होने पर उन्हें मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी देखभाल कर रही थी।

-वहीं आज यानी 22 अगस्त 2025 के तड़के जसविंदर भल्ला की तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई थी। इसके बाद सुबह करीब 4 बजे उनका निधन हो गया। आपको बता दें कि जसविंदर भल्ला सिर्फ एक कॉमेडियन ही नहीं, बल्कि पढ़ाई-लिखाई में भी काफी आगे थे।

पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे जसविंदर भल्ला

-जसविंदर भल्ला ने पीएचडी (ढँऊ) की डिग्री हासिल की थी। फिल्मों में कदम रखने से पहले जसविंदर भल्ला पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे। इस दौरान उन्होंने किसानों तक नई तकनीकें और जानकारियां पहुंचाने में अहम योगदान दिया था।

-बाद में जसविंदर भल्ला ने एक्टिंग को अपना करियर बनाया और पंजाबी सिनेमा में अपनी खास पहचान बनाई। जसविंदर भल्ला ने अपने अनोखे 'ूमर और शानदार कॉमिक टाइमिंग से लोगों को अपना दीवाना बना लिया था।

एक्टर के परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

जसविंदर भल्ला के परिवार में उनकी पत्नी परमजीत कौर भल्ला, बेटा पुखराज भल्ला और बेटी जैस्मीन भल्ला हैं। बेटे पुखराज ने इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज में एक्टिंग का सफर शुरू किया है। भल्ला परिवार मोहाली में रहता है और बेहद सिंपल जीवन जीने के लिए जाना जाता है। जानकारी के अनुसार जसविंदर भल्ला कई सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे थे।

कितनी संपत्ति छोड़कर गए एक्टर?

जसविंदर भल्ला पंजाबी इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों में गिने जाते थे और उनकी लोकप्रियता का अंदाजा उनकी कमाई से भी लगाया जा सकता है। हालांकि उनकी कुल संपत्ति को लेकर आधिकारिक जानकारी मौजूद नहीं है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह करीब 20 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक थे। वह एक महीने में करीब 10 लाख रुपये तक कमा लेते थे। फिल्मों के अलावा स्टेज शो, कॉमेडी इवेंट्स और प्रोफेसर की नौकरी से भी उनकी अच्छी खासी कमाई होती रही है।

मोहाली में होगा अंतिम संस्कार

-जसविंदर भल्ला का अंतिम संस्कार मोहाली में किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जसविंदर भल्ला का अंतिम संस्कार कल यानी 23 अगस्त 2025 को दोपहर 12 बजे मोहाली के बलोंगी श्मशान घाट में किया जाएगा।

-एक्टर के अंतिम संस्कार की रस्मों के लिए यूरोप से भौरत लौट रही उनकी बेटी का इंतजार किया जा रहा है।

गोविंदा से कितनी अमीर सुनीता आहूजा? कभी लिखती थीं 'लव 86' लेटर, आज 'दूल्हे राजा' पर तलाक के लिए लगाए 'इल्जाम'

80 और 90 का बॉलीवुड अगर किसी हीरो की मस्ती, डांस और कॉमेडी के लिए जाना जाता है, तो वो हैं गोविंदा-हीरो नंबर 1, राजा बाबू और कुली नंबर 1 जैसी हिट फिल्मों के बादशाह। लेकिन आज वही गोविंदा असली जिंदगी में एक ऐसे फिल्मी ड्रामे के किरदार बन चुके हैं, जिसमें तलाक, आरोप और करोड़ों की संपत्ति का मसला शामिल है।

जी हां, उनकी पत्नी सुनीता, जो कभी गोविंदा को 'लव 86' स्टाइल में लव लेटर लिखा करती थीं, आज उन पर अफेयर, अत्याचार और अकेले छोड़ने का 'इल्जाम' लगा रही हैं। इस खबर ने गोविंदा के फैंस को हैरान कर दिया है और हर कोई जानना चाहता है-सुनीता आहूजा कितनी अमीर हैं और अगर तलाक हुआ तो कितनी एलिमनी मिलेगी? दोनों की प्रेम कहानी कैसे परवान चढ़ी...आइए, इस फिल्मी कहानी में थोड़ा ड्रामा, थोड़ा रोमांस और ढेर सारा मसाला डालकर जानते हैं!

सुनीता और गोविंदा की प्रेम कहानी किसी बॉलीवुड फिल्म से कम नहीं। 1967 में एक पंजाबी-सिंधी परिवार में जन्मी सुनीता (असली नामः सुनीता मुंजाल) की मुलाकात गोविंदा से उनके मामा आनंद सिंह के जरिए हुई थी। तब गोविंदा एक स्ट्रगलिंग एक्टर थे, और सुनीता एक बिंदास, मॉडर्न लड़की। दोनों के व्यक्तित्व जुदा थे-गोविंदा पारंपरिक और शांत, तो सुनीता बोल्ड और बेबाक। फिर भी, लव लेटर और फोन कॉल्स के जरिए उनका रोमांस परवान चढ़ा।

1986 में इल्जाम से डेब्यू करने वाले गोविंदा को स्टारडम मिला, और उसी दौरान 1987 में उन्होंने सुनीता मुंजाल से गुपचुप शादी कर ली। इसी साल, गोविंदा 'लव 86' जैसी फिल्मों से स्टार बन गए, तब जाकर उन्होंने अपनी शादी का खुलासा किया। इन 38 सालों में सुनीता गोविंदा की सबसे बड़ी चीयरलीडर रही हैं, लेकिन अब यह रिश्ता तलाक की कगार पर क्यों आ पहुंचा?

खबरों के मुताबिक, सुनीता ने हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के सेक्शन 13 (1) (i), (ia), और (ib) के तहत तलाक की अर्जी दायर की है। इसमें उन्होंने गोविंदा पर गंभीर आरोप लगाए हैं-अफेयर, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना, और उन्हें अकेला छोड़ देना। कोर्ट ने गोविंदा को 25 मई 2025 को समन भेजा था, लेकिन खबर है कि वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। दूसरी ओर, सुनीता नियमित रूप से कोर्ट की सुनवाई में शामिल हो रही हैं। कुछ सूत्र बताते हैं कि दोनों जून से अपने रिश्ते को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन गोविंदा का 'मिसिंग' होना सवाल उठा रहा है। क्या यह बॉलीवुड का सबसे बड़ा तलाक ड्रामा बनने जा रहा है?

80-90 के दशक में गोविंदा ने 'इल्जाम', 'Love 86', 'दूल्हे राजा', और 'हीरो नंबर 1' जैसी फिल्मों से बॉलीवुड पर राज किया। उनकी कॉमेडी, डांस और देसी स्टाइल ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। लेकिन अब, जब उनकी पर्सनल लाइफ सुर्खियों में है, फैंस पूछ रहे हैं-क्या गोविंदा का 'हीरो' वाला जादू अब फीका पड़ गया?

मोनालिसा के नए लुक ने लोगों को बनाया दीवाना, इंटरनेट पर कहर बरपा रहा है महाकुंभ वायरल गर्ल का नया वीडियो

(जीएनएस)।

महाकुंभ 2025 में रुद्राक्ष की माला बेचकर चर्चा में आई 16 साल की लड़की मोनालिसा अब पूरी तरह से बदल चुकी हैं। उनका अंदाज, बात करने का तरीका और स्टाइल इतना बदल गया है कि लोग उन्हें देखकर हैरान हो जाते हैं।

मोनालिसा का ट्रांसफॉर्मेशन लोगों को आया पसंद

सोशल मीडिया पर मोनालिसा का ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। फिलहाल मोनालिसा न सिर्फ अपनी डेब्यू फिल्म की तैयारी कर रही हैं, बल्कि कई बड़े ब्रांड्स के लिए एड शूट्स का भी हिस्सा बन चुकी हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ 'लेडी बॉस' लुक

-हाल ही में महाकुंभ वायरल गर्ल मोनालिसा का एक वीडियो इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। ये वीडियो मोनालिसा के ऑफिशियल अकाउंट पर शेयर किया गया है, जिसमें वह लेडी बॉस के अवतार में नजर आ रही हैं।

-

वीडियो में देखा जा सकता है कि मोनालिसा ने वाइट ब्लेजर के साथ ब्लैक ट्राउजर पहना है, जिसे उन्होंने मिनिमल मेकअप और स्लीक हेयरस्टाइल के साथ कैरी किया है। उनका ये क्लासी लुक देखकर लोग उनके दीवाने हो रहे हैं।

-मोनालिसा के इस वीडियो पर लगातार कमेंट्स की बौछार हो रही है। कोई उन्हें खूबसूरत कह रहा है तो कोई उन्हें जल्द ही बड़ी स्टार बनने का आशीर्वाद दे रहा है। कई फैंस ने उनके लिए हार्ट और फायर इमोजी भी पोस्ट किए हैं। इससे ये साफ है कि मोनालिसा का ये नया अंदाज लोगों के दिलों पर छा गया है।

म्यूजिक वीडियो और फोटोशूट से भी बटोरी थीं सुर्खियां

कुछ समय पहले मोनालिसा का एक म्यूजिक वीडियो सादगी रिलीज हुआ था, जिसमें उनका प्यारा और मासूम अंदाज देखने को मिला था। इस गाने ने रिलीज होते ही मिलियन्स व्यूज हासिल कर लिएथे। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में ब्राइडल फोटोशूट भी करवाया था, जिसमें उनका लुक इतना रियल लगा था कि कई फैंस को लगा वो शादी करने जा रही हैं। हालांकि ये सिर्फ एक शूट था।

बॉलीवु में डेब्यू फिल्म की तैयारी

मोनालिसा इन दिनों अपनी पहली फिल्म की तैयारियों में जुटी हुई हैं। वह एक्टिंग की ट्रेनिंग ले रही हैं और खुद पर लगातार काम कर रही हैं। उनके लुक्स और एक्सप्रेशंस से साफ झलकता है कि वह जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाकेदार एंट्री करने वाली हैं।

ईयरफोन लगाकर लौट रहे चचेरे भाई ट्रेन से कटे, शव के टुकड़े देख दहला गांव

(जीएनएस)।

बिजनौर।

धामपुर थाना क्षेत्र के गांव मोहड़ा में गुरुवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। कोचिंग से लौट रहे दो चचेरे भाई रेलवे ट्रैक पार करते समय चंडीगढ़ एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। हादसा इतना भयानक था कि ट्रेन की टक्कर से दोनों के शव करीब 20 मीटर तक ट्रैक पर बिखर गए। किसी का हाथ और पैर अलग हो गया तो किसी का सिर फटकर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। जब लोगों ने उनके शरीर के टुकड़े समेटे तो पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई।

मृतकों की पहचान शिवम (20) और प्रिंस उर्फ गोलू (19) पुत्र भूदेव व उसके चाचा के बेटे के रूप में हुई है। दोनों बीएससी फर्स्ट ईयर में पढ़ाई कर रहे थे और स्योहारा रोड स्थित लक्ष्य कॉलेज में दाखिल थे। गुरुवार की रात दोनों कोचिंग से घर लौट रहे थे। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, दोनों ने ईयरफोन लगा रखा था और मोबाइल फोन में व्यस्त थे। इसी दौरान धामपुर की ओर से आ रही चंडीगढ़ एक्सप्रेस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। ट्रेन की आवाज ईयरफोन के कारण सुनाई नहीं दी और पल भर में ही दोनों की जिंदगी खत्म हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर दौड़े और तुरंत जीआरपी को खबर दी। पुलिस टीम के साथ धामपुर सीओ अभय कुमार पांडे भी मौके पर पहुंचे। बड़ी मशक्कत के बाद शव के टुकड़ों को इकट्ठा किया गया। जेब में मिले पहचान पत्र से दोनों की पहचान हुई। सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पिता और चाचा अपने बेटों का शव देख बेसुध हो गए।

परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने शव उन्हें सौंप दिए। शुक्रवार सुबह दोनों भाइयों की अर्थी एक साथ उठी। पूरे गांव में मातम छा गया। जिस रेलवे ट्रैक पर उनकी जान गई, उसी रास्ते से शव यात्रा होकर श्मशान घाट तक गई। अंतिम संस्कार के समय शिवम और प्रिंस की मां व बहनों का विलाप देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं।

धामपुर सीओ अभय कुमार पांडे ने बताया कि यह हादसा मोहड़ा गांव के पास हुआ है। परिजनों के अनुरोध पर पोस्टमॉर्टम नहीं कराया गया और शव अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिए गए हैं।

आर्केडियन पब्लिक स्कूल में हुई आर्गन डोनेशन की स्थापना

मथुरा (जीएनएस)। बाजना में रोटरी क्लब ऑफ ऑर्गन डोनेशन इंटरनेशनल ने आर्केडियन पब्लिक स्कूल में भारत के प्रथम शैक्षिक संस्थान में विद्यार्थियों की इंटरेक्ट क्लब ऑफ ऑर्गन डोनेशन की स्थापना की है। जिसमें रोटेरियन लाल गोयल चार्टर प्रेसिडेंट, इंस्पायरिंग प्रेसिडेंट रोटेरियन पीएचएफ रितिका गुप्ता और रोटेरियन चार्टर सदस्य अविनाश भार्गव आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सबसे पहले अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उनके साथ विद्यालय के एकेडमिक डायरेक्टर एफआर खांन और प्रिंसिपल दलजीत सिंह नंदा जी भी रहे। इस बीच रोटेरियन लाल गोयल ने विद्यार्थियों को अंग दान के महत्व के बारे में जानकारी दी और कहा कि लाखों लोग अंग फेल्यिर होने के कारण जिंदगी की जंग हार जाते हैं। कहा कि उनकी संस्था ऑर्गन डोनेशन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूरी जिम्मेदारी से संचालन कर रही है। इस मौके पर मथुरा की रोटेरियन प्रेसिडेंट रितिका गुप्ता ने वर्ष 2025–26 के आर्केडियन पब्लिक स्कूल बाजना के विद्यार्थियों के इंटरेक्ट क्लब ऑर्गन डोनेशन की प्रेसिडेंट समायरा खांन, सेक्रेट्री शिया, ट्रेजरी दिशा समेत अन्य क्लब के सदस्यों को बैंड पहनाकार जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर लाल गोयल ने विद्यार्थियों से अंग दान से संबंधित अनेक प्रकार के प्रश्न पूछे, जिनके जवाब को सुनकर वह हैरान रह गए। इस बीच विद्यार्थियों ने भी अंग दान से संबंधित अनेक प्रकार के प्रश्नों के जबाव दिन। वहीं कार्यक्रम के संयोजक डा. राजेंद्र सिंह सिसौंदिया ने इस महान उद्देश पर आधारित क्लब की स्थापना विद्यालय में करने पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि अंग दान महादान हैं, जिससे लाखों लोगों के जीवन को बचाया जा सकता है। इस मौके पर आर्केडियन पब्लिक स्कूल बाजना के विद्यार्थियों के इंटरेक्ट क्लब ऑर्गन डोनेशन के सदस्यों को विद्यालय के सदस्य विवेक जिंदल, अमित तिवारी, प्रकाश गौतम, शालू अरोड़ा, सुची सिंघल, पदम कुमार और सुरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

मोटोहॉस ने लखनऊ में नई डीलरशिप के साथ किया अपने फुटप्रिन्ट का विस्तार- बुकिंग और डिलीवरी शुरू हुई

ऑस्ट्रिया की प्रीमियम ब्रिक्सटन मोटरसाइकलें और इटली के वीएलएफ टेनिस इलेक्ट्रिक स्कूटर अब उत्तर प्रदेश के लखनऊ में उपलब्धः

लखनऊ, केएडब्ल्यू वेलोस मोटर्स प्रा. लिमिटेड (केवीएमपीएल) के उद्यम मोटोहॉस ने लखनऊ में राजश्री मोटर्स के एसोसिएशन में अपनी डीलरशिप के लॉन्च की घोषणा की है। यह साझेदारी पूरे देश में विश्वस्तरीय मोटरसाइकलें और मोबिलिटी समाधान उपलब्ध कराने के मोटोहॉस के मिशन में एक और महत्वपूर्ण कदम है।विश्वस्तरीय पोर्टफोलियो अब लखनऊ में उपलब्ध

ब्रिक्सटन की मोटरसाइकल रेंज – क्रॉसफायर 500 एक्स, क्रॉसफायर 500 एक्ससी, क्रोमवैल 1200 और क्रोमवैल 1200 एक्स- को परफोर्मेन्स, स्टाइल एवं बहुमुखी प्रदर्शन के लिए डिजाइन किया गया है। ये प्रीमियम मोटरसाइकलें आधुनिक टेक्नोलॉजी एवं सशक्त डिजाइन का संयोजन हैं जो राइडिंग प्रेमियों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करती हैं

श्री तुषार शेळके, मैनेजिंग डायरेक्टर, केवीएमपीएल-मोटोहॉस ने कहाः "मोटोहॉस में हम न सिर्फ अपना फुटप्रिन्ट बढ़ा रहे हैं बल्कि भारत में राइडिंग के अनुभव को भी नया आयाम दे रहे हैं। हमारा लक्ष्य विरासत एवं इनोवेशन के संयोजन के साथ विश्वस्तरीय दोपहिया वाहनों को भारतीय सड़कों पर उतारना है। अपनी हर नई डीलरशिप की ओपनिंग के साथ हम परफोर्मेन्स, स्थायित्व एवं उपभोक्ताओं को संतोषजनक अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत बना रहे हैं।

लखनऊ की नई डीलरशिप 1200 वर्गफीट में फैला शोरूम है, जिसमें 800 वर्गफीट की वर्कशॉप अलग से है, जो ब्रांड का उत्कृष्ट अनुभव एवं भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स सर्विस प्रदान करती है। मोटोहॉस ने 2025 के अंत तक मुंबई, पुणे, चेन्नई, मैसुरू, हैदराबाद, रायपुर, जयपुर और चेन्नई सहित मुख्य शहरों में 20 नई डीलरशिप्स खोलने और पहले साल में 5000 युनिट्स बेचने का लक्ष्य रखा है।

वीएलएफ मोब्स्टर पेट्रोल स्कूटर- 25 सितम्बर 2025 को शुरूआत 25 सितम्बर को मोटोहॉस अपने पोर्टफोलियो में एक और एडीशन – पेट्रोल स्कूटर वीएलएफ मोब्स्टर का लॉन्च करने जा रहा है। जो ब्राण्ड के लिए गेमचेंजर होगा। जहां एक ओर ज्यादातर कंपनियां ईवी स्कूटर लॉन्च करने पर ध्यान दे रही हैं, वहीं मोटोहॉस भारतीय बाजार में पेट्रोल स्कूटर उतारकर बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। नई टूरिंग मोटरसाइकल- साल के अंत तक होगी लॉन्च साल के अंत तक मोटोहॉस एक और मोटरसाइकल, टूरिंग मॉडल का लॉन्च करेगा, जो सभी सेगमेन्ट्स में इसकी मौजूदगी को और सशक्त बनाएगी।

केएमयू के ओरिएंटेशन में पहुंचे नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज ने दिया सकारात्मक और आध्यात्मिक ज्ञान

-विज्ञान और सनातन एक साथ होकर चले तो भारत विश्वगुरू बन जाएगा : सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज

-एयर होस्टेस शैली अपनाकर करनी चाहिए श्रीकृष्ण यात्रा, तभी आप होंगे सफल : ऋतेश्वर महाराज

-संस्कारवान पुरुष में ही पायी जाती है शिक्षा और विद्या : कुलाधिपति

मथुरा (जीएनएस)। केएम विश्वविद्यालय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए नवप्रवेशी छात्र परिचय कार्यक्रम 'दीक्षारंभ-2025-26' का भव्य शुभारंभ हवन-यज्ञ के साथ किया गया, जिसमें विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी समेत कुलपति डा. एनसी प्रजापति, प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डा. पूरन सिंह और मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने यज्ञ में आहुति देकर की। केएम विश्वविद्यालय में हवन यज्ञ के बाद शैक्षणिक सत्र के पहले दिन ऑडिटोरियम पहुंचे सैकड़ों की संख्या में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को दीक्षारंभ ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां और आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वृंदावन आनंदम धाम से पधारे सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज जी ने जीवन, शिक्षा और सकारात्मक-आध्यात्मिक सोच के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम और 16 कलाओं से परिपूर्ण भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में सुदामा चरित्र पर प्रकाश डाला और कहा कि विज्ञान बहुत उन्नत हो चुका है, अब इसे रोक देना चाहिए। कहा कि यंत्र और मशीनों पर हम जिंदगी रहे हैं। दुनियां में 76 प्रतिशत लोग तनाव में जी रहे हैं, हर परिवार में एक पागल (तनावग्रस्त) व्यक्ति होता है। जीवन की विद्या अलग है और जीविका की विद्या अलग है। उन्होंने कहा कि आपका भौतिक जीवन एयर होस्टेस (हवाई यात्रा में अभिनंदन करने वाला व्यक्ति-महिला) का है, आपको उस शैली का प्रयोग करते हुए आपको सुख-दुख को साथ रखकर आनंदित होकर श्रीकृष्ण की यात्रा करनी चाहिए, क्योंकि श्रीकृष्ण सदा आनंदित रहते थे तथा सनातन में हमेशा विज्ञान है। कहा कि अगर विज्ञान और सनातन एक साथ होकर चलें तो भारत विश्वगुरू बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पुराणकाल में भारत सोने की चिड़िया थी। पश्चिमी सभ्यता को अपना कर मॉडल कहलाना मात्र भ्रम है। उन्होंने कहा कि केएम विश्वविद्यालय से आप शिक्षा के साथ जीविका की विद्या लेकर निकले और आनंद, खुशी के साथ यात्रा शुरू करें, जो एयर होस्टेस से कृष्ण तक पहुंचेगी। शास्त्रों में सब कुछ सही लिखा है, गुरु ही इन्द्रियों का भविष्य तय करने वाला है। कहा कि छात्र-छात्राओं का सही संचालन पूरी प्रकृति को जीवन का अंदाज देने जैसा है। इसलिए खुश और आनंदित रहकर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करके कामयाब हो सकते हैं। वहीं विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या-शिक्षा कहीं भी मिल सकती है, जिसमें विद्या होती है, उसमें शिक्षा व संस्कार होते है। शिक्षित व्यक्ति में विद्या होती है तो उसमें अच्छे संस्कार पाए जाते हैं। कहा कि आप जैसा सोचोगे वैसे ही बन जाओगे। इस दौरान कुलाधिपति ने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम और योगीराज श्रीकृष्ण के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अच्छे मित्र बनाने की सलाह दी। वहीं विवि के सलाहाकार डा. एसपी गोस्वामी ने विद्यार्थियों से जीवन, कॅरिअर और सफलता से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण सूत्र साझा किए। अपने अनोखे अंदाज में उन्होंने स्लाइड्स, प्रेरक शेरो-शायरी और कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल मार्गदर्शन दिया, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता की ओर प्रेरित किया। इसीक्रम में प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल ने कहा कि नवप्रवेशित विद्यार्थी अब परंपरागत पाठ्यक्रम के बाद तकनीकी एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम से जुड़े हैं, जहां से विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा मिलेगी। वहीं कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में जो आने वाले साल हैं, यह सिर्फ एक डिग्री पाने के लिए नहीं, बल्कि अपने आपको निखारने के साल हैं। कहा कि यहां जो आप सीखेंगे, वही आपकी सोच बनाएगा और आत्मविश्वास बढ़ाएगा। इस मौके पर सीईओ मनोज कुमार ओझा ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है, ताकि वह जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि यहां न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है, बल्कि सांस्कृतिक, खेल और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को निखारा जाता है। इससे पूर्व ओरिएंटेशन का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विवि के कुलाधिपति ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया तथा मुख्य अतिथि सद्गुरु ऋतेश्वर जी का विवि के चांसलर ने श्रीराधाकृष्ण की प्रतिमा भेंट कर स्वागत व सम्मान किया और आर्शीवचन लिया। केएम विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में स्नातक स्तर पर बीटेक, बी. फॉर्मा, बीएससी, बायोटेक, बीए, बीकॉम, बीए, बीकॉम एलएलबी ऑनर्स, डिप्लोमा इन फॉमेर्सी, स्नातकोत्तर स्तर पर एमटेक, एमवीए, एम. फॉर्मा (फामोकीलॉजी एंड फार्मास्यूटिक्स) आदि कोर्सों के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं ने ओरिएंटेशन में शिरकत की। इसके अलावा विशेष आमंत्रित आरके पांडेय, वेटरिनरी एसोसिएशन डीन डा. पीताम्बर सिंह, विवि के सब रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, एडमिशन हैड समीक्षा भारद्वाज, खेल डायरेक्टर आरके शर्मा, दीपक, अनिल, देवेन्द्र असिटेंट रजिस्ट्रार के अलावा संकाय के डीन, प्रो. समेत विवि का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

एमएसएमई को गति देने के लिए यूनियन बैंक और लघु उद्योग भारती एक मंच पर

लखनऊ । विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के लखनऊ अंचल द्वारा लघु उद्योग भारती के सहयोग से गोमती नगर स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया परिसर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) से जुड़े उद्यमियों को बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं, उत्पादों और सेवाओं की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें बैंकिंग सुविधाओं से अधिकतम लाभान्वित करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अंचल प्रमुख राजेश कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में एमएसएमई क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'लघु एवं मध्यम उद्योग आज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वर्ष 2014 से अब तक एमएसएमई सेक्टर में 34 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित किए जा चुके हैं। भारत के कुल निर्यात में एमएसएमई का योगदान लगभग 45% है और देश की कुल ऋद्ध में लगभग 30% हिस्सा एमएसएमई सेक्टर से आता है।' उन्होंने यह भी कहा कि यूनियन बैंक हमेशा से उद्यमियों के साथ खड़ा रहा है और भविष्य में भी विभिन्न योजनाओं एवं वित्तीय सहयोग के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित करता रहेगा।

इस अवसर पर बैंक की ओर से एमएसएमई उत्पादों की विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें ऋण योजनाएँ, कार्यशील पूंजी, टर्म लोन, स्टार्टअप, कोलेट्रल फ्री ऋण और महिला उद्यमियों के लिए विशेष योजनाएँ शामिल थीं। बैंक के अधिकारियों ने यह भी बताया कि कैसे उद्यमी डिजिटलीकरण के माध्यम से आसानी से इन योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

लघु उद्योग भारती की ओर से प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, राज्य उपाध्यक्ष रीता मित्तल एवं लखनऊ इकाई अध्यक्ष केशव माथुर विशेष अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे और अपने विचार साझा किए। उन्होंने यूनियन बैंक द्वारा किए जा रहे इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे लघु उद्योग भारती से जुड़े हजारों उद्यमियों को सीधा लाभ मिलेगा। संगठन के कई वरिष्ठ सदस्यों और नव उद्यमियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

यूनियन बैंक की ओर से उपमहाप्रबंधक प्रदीप कुमार अवस्थी एवं प्यारे लाल, लखनऊ नॉर्थ क्षेत्र प्रमुख मार्कण्डेय यादव, लखनऊ साउथ क्षेत्र प्रमुख हिमांशु मिश्रा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों और बैंक अधिकारियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद हुआ, जिसमें उद्यमियों ने अपनी चुनौतियाँ साझा कीं और बैंक अधिकारियों ने उनके समाधान प्रस्तुत किए।

इस आयोजन को अत्यंत सफल बताया गया। उपस्थित उद्यमियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बैंक और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल बनता है और वित्तीय सहायता तक पहुँच आसान होती है। इससे न केवल मौजूदा उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि नए उद्यमियों को भी व्यवसाय शुरू करने और आगे बढ़ने में सहायता होगी।

कार्यक्रम के अंत में यह विश्वास व्यक्त किया गया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और लघु उद्योग भारती के बीच यह साझेदारी भविष्य में और मजबूत होगी तथा इससे प्रदेश के एमएसएमई सेक्टर को नई दिशा और गति मिलेगी।

छाता पुलिस ने एक नशा तस्कर को पकड़ा : भारी मात्रा में गांजा बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र स्थित तरौली रोड़ से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह पुलिस टीम के साथ अवैध शराब और मादक पदार्थ तस्करों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि अकबरपुर-तरौली रोड़ से होकर एक मादक पदार्थ तस्कर जाने वाला है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान वहां होकर जा रहे मादक पदार्थ तस्कर गजेन्द्र पुत्र चकुली निवासी नौगांव थाना छाता को पुलिस ने घेरकर दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके पास से 1 किलो 220 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

तिलकद्वार धर्मशाला का होगा सौंदर्यीकरण : नई धर्मशाला बनेगी जयगुरुदेव मंदिर के पास

मथुरा (जीएनएस)। महानगर स्थित अग्र वाटिका में तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला समिति की हुई बैठक में महाराजा श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारियों के साथ अग्रवाल धर्मशाला तथा अग्रवाल मार्केट के सौन्दर्यीकरण पर विस्तार से चर्चा हुई। इस संबंध में जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी सचिन अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल धर्मशाला में विद्युत समस्या को देखते हुए 35 केवी. का सोलर पैनल लगाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ है। इसके अलावा प्रथम तल के 21 कमरों और दोनों मुख्य गेट के सौन्दर्यीकरण के साथ अग्रवाल धर्मशाला होलीगेट की 79 दुकान तथा अग्रसेन अतिथि भवन भरतपुरगेट की 4 दुकानों समेत कुल 83 दुकानों से अब तक 2 लाख 80 हजार सलाना मिलता था, जो अब बढ़कर 9 लाख 96 हजार सालाना प्राप्त होगा। बताया कि इसके अलावा तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला समिति द्वारा महोली रोड़ स्थित अपने दो भूखंडों को बेच दिया गया है और इसके एवज में जयगुरुदेव मंदिर के पीछे सलेमपुर रोड़ पर 1644 वर्गगज का एक भूखंड खरीद कर जून में रजिस्ट्री करा ली गई है। कहा कि इस भूखंड पर भव्य धर्मशाला बनाने का प्रस्ताव है, ताकि पास के निवासियों को लाभ मिल सके। इसके अलावा तिलकद्वार समिति द्वारा 22 सितंबर को निकलने वाली शोभायात्रा का भी स्वागत सत्कार तथा सहभोज करने का प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं समिति के मंत्री कृष्णमुरारी सर्राफ ने संचालन करते हुए बताया कि आगामी 21 सितंबर को यमुनापार स्थित अग्रसेन घाट पर दीपदान व वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया जाएगा। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल ने तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला समिति के कार्यशैली तथा अग्रसेन जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों की रूपरेखा की प्रशंसा की। इस मौके पर समिति अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल मांट वालों ने कहा कि अग्रवाल धमार्शाला समिति जयंती के सभी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर सहयोग करेगी। बैठक में प्रमुख रूप से तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला समिति के उपाध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश गर्ग, उप मंत्री मनोज कुमार अग्रवाल, महेश अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, प्रमोद गर्ग कसेरे, मनोहर लाल अग्रवाल, अशोक बंसल, सुभाष अग्रवाल सिक्का, योगेश बंसल कागजी और सह मीडिया प्रभारी जगत बहादुर अग्रवाल आदि मौजूद रहे।